ont>

12.24 hrs.

(i) RE: NOTICE OF QUESTION OF PRIVILEGE

Title: Need to conduct an enquiry in the matter of breach of privilege of an MP by a private company.

MR. SPEAKER: I have received a privilege notice from Shri Ashok Kumar Singh Chandel. If he is present, I would like to ask him whether he wants to say anything.

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल (हमीरपुर, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, एक प्राइवेट निजी कम्पनी द्वारा मुझे मानहानि का नोटिस दिया गया, जिसमें 25 करोड़ रुपये का दावा किया है। यह कम्पनी एक नॉन बैंकिंग फाइनेंस कम्पनी है। कम्पनी ने वर्ा 1993 एवं 1994 में बारी-बारी से दो पब्लिक इश्यू शेयर बाजार में जारी किया था। जिसमें वर्ा 1994 में कम्पनी ने 10 रुपये प्रति शेयर को 390 रुपये प्रतिशेयर उच्च प्रीमियम पर बेचा था। जिसमें आम निवेशकों के भारी मात्रा में निवेश से कम्पनी को करोड़ों रुपया प्राप्त हुआ, लेकिन जब शेयर जारी करने की तिथि समाप्त हुई, उस दिन के बाद शेयर का दाम गिरकर शून्य हो गया। साथ ही कम्पनी अपने जारी कम्पनी प्रस्ताव के अनुरूप भी अभी तक कोई कार्य नहीं कर पाई है। कम्पनी अपनी विभिन्न सहायक कम्पनियों के नाम शेयर जारी कर अभी तक की प्राप्त जानकारी के अनुसार 1764 करोड़ रुपये की हेराफेरी का रिकार्ड वित्त मंत्रालय के बैंकिंग आपरेशन विभाग (भाग एक) में दर्ज है।

अतः उपरोक्त पूरे मामले की जांच के लिए संसद की विशेाधिकार समिति के सुपुर्द कर दिया जाये, क्योंकि उपर्युक्त कम्पनी द्वारा मानहानि के नोटिस से संसद सदस्य के विशेाधिकार का हनन हुआ है तथा कम्पनी के क्रियाकलापों को देखते हुए एवं आम निवेशकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सारे मामले की जांच सी.बी.आई. से कराई जाये।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने इस पर कालिंग अटैंशन का नोटिस भी दिया था। पिछले सत्र में भी मैंने आपसे अनुरोध किया था कि इस पर चर्चा कराई जाये। यह एक गंभीर मामला है। पूरे देश के 1764 करोड़ रुपये के घपले का मामला है। आज तक एफ.एम. की तरफ से इस पर कोई जवाब नहीं आया। इस बात को चार महीने बीत गये। हमने तमाम चिट्ठियां लिखीं लेकिन एफ.एम. की तरफ से कोई जवाब नहीं आया। आखिर इसका क्या कारण है ? लाखों लोग इतने बड़े भ्रटाचार से प्रभाि वत हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि इसको दबाने का काम एफ.एम. महोदय क्यों कर रहे हैं ? ऐसा नहीं है कि हम एफ.एम. महोदय का सम्मान नहीं करते। हम उनका सम्मान करते हैं इसलिए उन चीजों को आपके सामने पटल पर रखना नहीं नहीं चाहते लेकिन अगर मजबूर किया जायेगा तो हम वे चीजें भी लायेंगे जो इसके पीछे एफ.एम. को प्रभावित कर रही हैं। हमारा आपसे अनुरोध है कि हमने जो नियम 197 का नोटिस दिया है, उसके तहत इस पर बहस कराई जाये। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Ashok Kumar Singh Chandel, I have received your notice of question of privilege

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, it is a very important issue. The hon. Member has said that he can produce the papers which will justify who is influencing the Finance Minister....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Dasmunsi, he will defend himself.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Therefore, this is not a lighter issue....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Chandel, I have received your notice of question of privilege dated 7th July, 2003 and notice for the 'Zero Hour' wherein you have raised that M/s. VLS Finance Limited have breached upon your privileges. I have already called for the factual note from the Ministry of Finance. They have also been reminded to expedite their reply. I will take a decision in the matter on receipt of the factual note from the Finance Ministry.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): I have given notice of an Adjournment Motion....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have received several notices.

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल : अध्यक्ष महोदय, संसद सदस्यों ने एफ.एम. महोदय को पचासों पत्र लिखे हैं लेकिन वे सारे पत्रों को दबा गये हैं। â€¦ (व्यवधान) ये सेबी को बचाना चाहते हैं, फाइनेंस कम्पनी को बचाना चाहते हैं। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : . यह क्या चल रहा है ? कृपया आप बैठिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको उचित समय पर बोलने का मौका दिया जायेगा।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have received several notices. All the notices are important. I want to take up the maximum number of notices, if you cooperate. We have got only half-an-hour. Therefore, I can go ahead with the business and give opportunity to maximum number of hon. Members to speak on their notices provided you all cooperate with the Chair as you cooperated yesterday. Yesterday, we could dispose of 25 notices. As a matter of fact, it is a record. Today also, I want to take up the maximum number of notices. Please do not shout. I have already got the

names with me. Please do not disturb the House. I will call the hon. Members to speak one after the other. I have taken note of those hon. Members who have given notices of Adjournment Motion, those who have given notices of suspension of Question Hour and also 'Zero Hour' notices. According to my discretion, I have drawn up a list. Let me go accordingly.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : My notice is there. So, next is mine.

MR. SPEAKER: It is not yours. First, Shri Ramji Lal Suman will speak and after that Shri Rupchand Pal will speak.